दैनिक जागरण
बरेली, सोमवार
3 नवंबर, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14+4=18

महफिल-ए-अवध में कथक से व्यक्त किए भाव

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार की शाम कथक प्रस्तुति महफिल-ए-अवध के नाम रही। इसमें कथक के गुरुओं और उनके विद्यार्थियों ने अपनी नृत्य प्रतिभा से भावों का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का आरंभ पद्मविभूषण पंडित बिरजू महाराज द्वारा रचित दरबारी तराना से हुआ। इस पर कथक के विद्यार्थियों नायरा, गौर्वी, ईशान्वी, अवनी, गौरिका, नितारा, करुण्य, अहाना, मीरा, रिद्धा, नित्या अग्रवाल, नित्या आदि ने अपने भावों को प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने तोरी महफिल में... और गीत फेरो न नजरिया... के साथ दरबार अवध और जहां-ए-खुसरो पर भी अपनी नृत्य प्रतिभा दिखाई। अहमद फराज लिखित प्रसिद्ध गजल रंजिश ही सही दिल ही दुखाने के लिए... को अपने भावों से कथक गुरु देवज्योति नस्कर और गुरु रियाश्री चटर्जी ने मंचित किया। गुरु अंशु शर्मा ने दरबार-ए-पेशकार पर दोनों गुरुओं के साथ संगत दी। इंस्ट्रूमेंट गुरु दीपकांत

रिद्धिमा में कथक प्रस्तुति देते कलाकार ●

जौहरी (तबला), ऋषभ आशीष पाठक (पखावज), सीमा (सितार), पवन भारद्वाज (हारमोनियम) ने भी वाद्ययंत्रों के जरिए महफिल में उपस्थिति दर्ज कराई। संचालन आशीष कुमार ने किया। इस दौरान ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, उषा गुप्ता, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता आदि मौजूद रहे।